

# तृतीय सत्र



## नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन तृतीय सत्र



अध्यक्ष  
गिरिजा सारडा

### नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन के तीसरे सत्र की रिपोर्ट

सतत कर्म करना मुकद्दर बनाना

मेरी , माताओं, बहनों और बेटियों तुम सदा मुस्कुराना,

हमारी अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा सारडा और उनकी टीम का लक्ष्य था हमारी माताओं, बेटियों और बहनों को ना सिर्फ सबल बनाना , बल्कि उन्हें दुनिया से रूबरू करना.

इसी उद्देश्य को सामने रख कर, हम आगे बढ़ चले

- \* प्रत्येक वर्ष गर्मी में शरबत बनाकर स्वावलंबन कि डाली नींव,
- \* काठमांडू में सामाजिकता के महत्व को बताते, परिषद् एवं युवा के संग किया विचार मंथन
- \* इन्टरनेट कि समझी महत्ता और ईमेल से संस्था को जोड़ा
- \* सोशल नेटवर्किंग का भी किया उपयोग , फेसबुक से जोड़े ६०० महेश्वरी
- \* अपनी गतिविधियों से वाकिफ कराने के लिए बनाया फेसबुक पेज
- \* व्हाट्सएप्प ग्रुप बना कर महिलाओं और सदस्यों को जोड़ा
- \* परिवार और दाम्पत्य के टूटते स्वरूप से कैसे बचा जाए, समाज के सभी अंगों के साथ टाक शो एवं नाटक के माध्यम से की वृहत चर्चा
- \* विश्वकर्मा और दिवाली पर वर्ष दर वर्ष , पूरे शहर के लिए मिठाई बनाकर घर से ही व्यापार कैसे हो, कि प्रेरणा दी बहनों को

- \* बच्चों के लिए करियर कि महत्ता को समझते हुए काउंसलिंग टीम को बुलाया हमने
- \* बच्चों - बड़ों , सभी कि हैण्ड राइटिंग एनालिसिस भी करवाया हमने
- \* युवा बहनों और मध्य आयु बहनों के लिए डायटीशियन के साथ टाक शो में सही भोजन कि महत्ता से रूबरू कराया
- \* गाँव में जा कर ग्रामीणों के लिए चलाया निशुल्क चिकित्सा शिविर
- \* वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति किया अपने दायित्व पूर्ण
- \* भारतीय जनता पार्टी से आये श्याम जी जाजू , ज्ञापन दे भारतीय मूल कि महिलाओं के अधिकारों पे की चर्चा हमने
- \* बायोडाटा सम्मलेन किया धरान और काठमांडू , ब्याह योग्य रिश्ते मिले ध्येय बनाया हमने
- \* संस्कार मिले बच्चों को भी , आई निर्जला एकादशी , पांचाली मंदिर और वृधाश्रम में ठंडाई एवं बाल्टी का किया वितरण
- \* पूना से श्रीमती शोभा जी इन्दानी ने आ कर दिया , आस पास के सभी छोटे छोटे क्षेत्रों की बहनों और बेटियों को पाक कला का प्रशिक्षण
- \* बम्बई से आई हमारी एक और बेटि, जिसने चिकित्सा जगत में एक नए प्रोफेशन से रूबरू कराया हमारी बेटियों को, डॉ पूनम सारडा शर्मा और डॉ ललित शर्मा ने आकर औरोप्लास्टी कैंप लगाया
- \* मोटिवेशनल ट्रेनर श्रेया कदम, बैंगलोर से आयीं, और बच्चों और बड़ों के बीच सम्बन्ध पाटने के गुर सीखाई

- \* हमारे समाज में काम आने वाले रिवाजों को किया लिपिबद्ध, और हुआ विमोचन पुस्तक "जीवन संस्कार" का
- \* हमारी बच्ची के साथ हुआ ससुराल में अन्याय , हमने कसी कमर तो कैसे ना होता हमारे पास न्याय?
- \* सिडनी से मेकअप सीख कर आयीं रक्तिम जोशी, सीखाया चेहरों को संवारने के गुर हमारी बहनों को भी
- \* बिर्तामोड में सोच बनी महेश्वरी भवन की , संगठन ने एक कमरा बनवाने का प्रण किया
- \* हमारी अध्यक्षा और बहनों ने इन साढ़े तीन वर्षों में देश के कोने कोने में जाकर विजय का परचम फहराया,

चाहे हो सूरत, मद्रास, बंगलौर, या फिर हो शिर्डी, अहमदाबाद, हैदराबाद या गौहाटी

हर जगह हमारी टीम पहुंची और अपनी छाप छोड़ते हुए बहुत से पुरस्कार ले लौटी

स्वावलंबन की ओर तेज़ी से चलती महिलाओं से मिलकर अपनी उर्जा को एक नई रफ़्तार देने कि कोशिश करते हुए हम नए नए कैरियर्स में काम करती विभिन्न महिलाओं से मिले,

फिर वो चाहे रूपा तालुकदार हो जो हैं करियर काउन्सिलर , सुनीता सिंघी एक हैण्ड राइटिंग एक्सपर्ट, पृथा बानिक के रूप में एक एप्टीट्यूड टेस्टर, वंदना चमरिया जो एक डायटीशियन हैं, सिंपल लिविंग एंड हाई थिंकिंग को चरितार्थ करती शोभा जी इन्दानी जिन्होंने कुकरी को नए आयाम देते हुए लिम्का बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाया,

डॉ.पूनम शर्मा जो कि औरोप्लास्टी के साथ अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं, आर्ट ऑफ़ लिविंग सीखाती मोटिवेशनल ट्रेनर श्रेया कदम - जिनके हर एक शब्द में कॉन्फिडेंस कूट कूट के भरा था, श्रीमती रक्तिम जोशी प्याकुरेल के रूप में एक मेकअप आर्टिस्ट और अब आपके सामने हैं श्रीमती डॉली जैन, जिन्होंने साड़ी ड्रेपिंग को करियर बनाते हुए गिनेस बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाया.

\* अब सम्मुख हैं हम आपके , एक नई कोशिश के साथ,

एक एंड्राइड एप्प के रूप में ,

आशा है जीवन संस्कार आप सभी को मार्गदर्शित करेगी .